

রাষ্ট্র / মোল্লা দ্বারা ইমদামের নামে মুসলিম
ঙ্কারীদের হত্যা ও নিযার্থনের কথা-১

নুরুজ্জামান মানিক

(ফ্রীলেন্স সাংবাদিক, ক লামিষ্ট, প্রাবন্ধিক)

ক) স্বাধিন ইচছা মতবাদের জন্য মৃত্যুদণ্ডিতগণ

ইসলামের ইতিহাসে স্বাধিন ইচছা মতবাদের সাহসি প্রচারের প্রথম ব্যক্তি হচেছন **মা'বাদ ইবনে খালিদ আল জুহানি**। এই মতবাদ যখন ঘোষিত হয়, তখন ছিল উমাইয়া শাসনামলের প্রথম দিক। এই সময়টা ছিল অত্যন্ত যন্ত্রনাদায়ক। উমাইয়াদের নেতৃত্বে দেশে তখন অত্যাচার ও নির্মম রক্তপাত চলছিল। স্বাধিনচেতা আরবগন এ অবস্থা সহ্য করতে না পেরে রাষ্ট্রের নিকট নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলোর উত্তর দাবি করলেনঃ

তে।মরা কেন এই বরবরোচিত কাজ কর?

এসব কি ইসলাম বিরোধি নয়?

তে।মরা কি মুসলমান নও?

নিরপধারিরা যতই ভনিতা করুক না কেন রাষ্ট্রের উত্তর ছিল : ‘আমরা যা করি তার জন্য আমরা দায়ী নই। আল্লাহই সব কিছু করেন। ভালমন্দ তারই ক্ষমতা। (Source: Saeed Sheikh, Studies in Muslim Philosophy, 1962, page-3)

ঐতিহাসিকগন উল্লেখ করেন, **মা'বাদ ইবনে খালিদ আল জুহানি** একদিন তার **সাখি ওয়াসিল ইবনে আতা** কে সাথে নিয়ে প্রখাত মুসলিম মনিষী **হাসান আল বাসরি (রাঃ)** এর নিকত আগমন করেন এবং বলেনঃ ‘হে আবু সাইদ, যেসব শাসক মুসলমানদের রক্তপাত ঘটায় এবং বলে যে তাদের কৃতকর্ম আল্লাহ কর্তিক সাধিত হয়’ এতে হাসান জবাব দেন ‘আল্লাহর শত্রু, তারা মিথ্যাবাদি’। (সূত্রঃ মুসলিম দর্শন : চেতনা ও প্রবাহ, আবদুল হালিম, বাংলা একাডেমী, ঢাকা, ১৯৯৮, প-৫১)

এইরকম পরিস্থিতিতে **মা'বাদ ইবনে খালিদ আল জুহানি** বলেন, মন্দ বা অসৎ কাজের জন্য মানুষ নিজেই দায়ী। এগুলো আল্লাহর উপর আরোপ করা উচিত নয়। এইটা কদর মতবাদ নামে পরিচিত।

মা'বাদ ইবনে খালিদ আল জুহানি প্রকাশ্যে এই মতবাদ প্রচার করেন। এই

कारणे उमाइया खलिफा अबदुल मालिक इबने मारयानेर (७८५-९०५)निर्देशे हाज्जाज कर्तिक ताके हत्या करा ह्य ७९९ साले,मतान्तरे ९०० साले।(सुत्रः इबने हाजार ,ताहधिव आत-ताहधिव,हायद्राबाद,१७२५-९,भल-१०,प-२२५ एवं मुसलिम धर्मतत्त्व ७ दर्शन,आमिनुल इसलाम ,१४९९,बांग्ला एकादमि ,ढाका,प-८२)

मा'वाद इबने खालिद आल जुहानिर पर दामेक्केर गायलान इबने मुसलिम अनुरूप मतवाद प्रचार करेन।तिनि बलेनः'प्रतिटि मुसलमानेर कर्तव्य हच्चे मानुषके सत्काजे अनुप्रानित करा एवं दुस्कर्म थेके विरत थाका'।तार एइ प्रचार छिल उमाइया शासकदेर स्वार्थ परिपन्निह।(सुत्रःमुसलिम दर्शन :चेतना ७ प्रवाह,प्रागुक्त,प-५१) एइ कारणे खलिफा इबने अबदुल आजिजेर (९१९-९२० ख्रि) काच्चे ताके धरे आना ह्य। से जनसम्मुखे तार झिल स्वीकार करे किन्तु खालिफार मारा यावार परे से आवार स्वाधिन इच्छा मतवादेर शिक्षादान शुरु करे।एर परेर खलिफा हिशाम इबने अबदुल मालिक(९२४-९४७ ख्रि) ताके ग्नेफतार करेन,विचार करेन एवं हत्या करेन। (source: Sharrastanee,Muhammad ibn'abdul kareem ash-,Al-Milal Wan-Nihal,Beirut,Darr-al-Marifah,2nd Edition,1975,Vol-1,Page 30)

एइ मतवादेर अन्य एकजन ब्यक्ति छिलेन आल जा'द इबने दिरहाम।से शुधु एइ मतवाद शमथर्न इ करेनि वरं ग्रीक दार्शनिक प्लेटोर दर्शन अनुयायइ कोरानेर आयातेर अन्तर्भुक्त आल्लहार गुनावलिर वर्नना पुनःअनुवाद करार चेस्ती करेन। एइ कारणे उमाइया गभर्नर ताके वरखान्त करे तार शिक्षकता पेशा थेके।(source: Ibn al Hanbal,Ahmad, Ar-Radd 'alaa al-Jahmeeyah,Riyadh,Darr al Liwaa,1st Edition,1977,Page- 41-43)।से तखन कुफाय पालिये याय ,येखने से तार धारणा क्रमागत उपास्तुपित करतेइ थाके एवं अनुसारि जोगार करते थाके।उमाइया गभर्नर खालिद इबने अबदुललाह ताके जनसम्मुखे ९३७ साले हत्या करेन। किन्तु तार प्रधान सिष्य जहम इबने साफफाओयान ,तिरमिज एवं बलखे तार गुरुर मतवादके प्रचार करते थाके। उमाइया गभर्नर नासेर इबने साइइयार ताके ९४७ साले हत्या करेन।(source: Sharrastanee,Muhammad ibn'abdul kareem ash-,ibid,Page-46)

बाकिरा परे मुताजिलादेर साथे मिशे याय।

(चलवे)